विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–2 | अंक–5 | अक्टूबर–दिसम्बर, 2014

www.vidyabhawan.org

विद्या भवन सोसायटी
स्थापना-1931

बहुभाषिता एवं शिक्षा

वैसे तो भाषा के बिना जीवन एवं समाज की कल्पना संभव नहीं पर शिक्षा की दृष्टि से भाषा का सचमुच विशेष स्थान है। भाषा के बिना ज्ञान की संरचना संभव नहीं। यह दुर्भाग्य की बात है कि हम लोगों के ज़हन में शिक्षा की प्रक्रिया का जो चित्र बना होता है वह बहुत ही जड़ है। हम यह मान कर चलते हैं कि शिक्षा के लिए यह आवश्यक है कि कक्षा में एक अध्यापक हो, एक किताब हो और पढ़ाई–लिखाई का सारा काम भी एक ही भाषा में हो। यदि हम कक्षा में बैठे बच्चों को थोड़ी सी भी गहराई से समझने की कोशिश करें तो पायेंगे कि बच्चों में काफी हद तक भाषागत विविधता रहती है। यदि हम इस तरह की शिक्षा प्रणाली की कल्पना नहीं कर सकते जिसमें बच्चों की भाषागत विविधता को सम्मान मिले तो शिक्षा का सार्थक होना संभव नहीं है।

बच्चे स्कूल आने से पहले ही अपनी भाषा अच्छी तरह से जानते हैं और उसके जटिल व्याकरण को सहज ही अचेतन रूप से आत्मसात् कर लेते हैं। इसी भाषागत क्षमता के कारण उनके लिए अन्य भाषाएं सीखना भी बहुत आसान है। हमें सबसे पहले इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि बच्चे अपने घर की एवं आस–पड़ोस की भाषाओं में प्रवीणता हांसिल कर लें। बहुभाषिता को आधार मान कर ऐसा करना बहुत आसान हो जाता है। हर बच्चे को मौका मिलता है कि वह अपनी भाषा में अपनी बात कह सके, लिख सके। जो बच्चे अपनी भाषा में प्रवीणता हासिल कर लेते हैं वे सहज ही अन्य भाषाओं में प्रवीणता हांसिल कर लेते हैं, यदि उन्हें उन भाषाओं को सीखने का उचित व समृद्ध वातावरण मिले। इस बात पर कई शोध हुए हैं कि बहुभाषिता का संज्ञानात्मक लचीलेपन, विषयगत प्रवीणता एवं सामाजिक सहनशीलता से गहरा संबंध है।

-प्रो. रमाकान्त अग्निहोत्री,
विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र

अंदर देखें...

✓ समाज व महिला विकास प्रायोजना 03
✓ वी.बी.आर.आई. को नैक 'बी' ग्रेड 07
✓ स्वच्छ उदयपुर के लिए सेमिनार 09
✓ कक्षा में थियेटर 11
✓ देखिये, उन्हें शहद बनाते हुए! 14

नाईटर, चण्डीगढ़ में 'आउटस्टैण्डिंग टैक्निकल इन्स्टीट्यूट' का सम्मान प्राप्त करते प्राचार्य अनिल मेहता।

विद्या भवन पॉलिटैक्निक उत्तर भारत का सर्वश्रेष्ठ तकनीकी संस्थान

विद्या भवन पॉलिटैक्निक को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च (नाईटर) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्तर भारत के 'आउटस्टैण्डिंग टैक्निकल इन्स्टीट्यूट' से सम्मानित किया गया है। उत्तर भारत के आठ राज्यों जम्मू कश्मीर, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश व केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ के लगभग साढ़े चार हजार तकनीकी संस्थानों में विद्या भवन पॉलिटैक्निक का चयन विगत तीन वर्षों की उपलब्धियों व गतिविधियों के आधार पर हुआ। तीस दिसम्बर, 2014 को नाईटर, चण्डीगढ़ में आयोजित समारोह में पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ए.के. ग्रोवर, पद्मभूषण डॉ. के.के. तलवार, नाईटर के निदेशक डॉ. एम.पी. पूनिया, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उपसचिव पी. शशि कुमार तथा अवार्ड कमेटी के चेयरमैन डॉ. एस.के. धामेजा ने विद्या भवन पॉलिटैक्निक को यह सम्मान प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2002–03 के लिए भी विद्या भवन को नाईटर द्वारा 'उत्तर भारत का बेस्ट पॉलिटैक्निक' सम्मान दिया गया था।

विद्या भवन के इन्टरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल का विमोचन

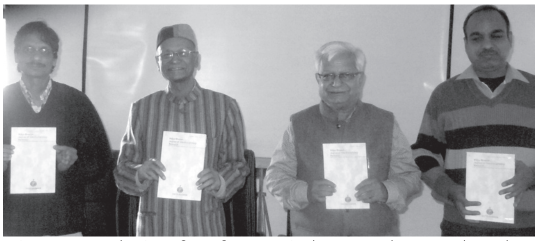

विद्या भवन के रिसर्च जर्नल का विमोचन करते (बाएं से दायें) अनिल मेहता, रियाज़ तहसीन, अरुण चतुर्वेदी व टी.पी. शर्मा।

विद्या भवन रिसर्च फोरम की ओर से 'विद्या भवन जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च' का विमोचन सोसायटी अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने किया। उन्होंने कहा कि विचारों को अभिव्यक्त करने से ही उनकी प्रासंगिकता बनी रहती है। प्रधान सम्पादक प्रो. अरुण चतुर्वेदी ने शिक्षकों को शोध से शिक्षा के लिए और शिक्षण से शोध के लिए ऊर्जा ग्रहण करने की आवश्यकता पर बल दिया। रिसर्च जर्नल के कार्यकारी सम्पादक डॉ. टी.पी. शर्मा हैं। जर्नल में हिन्दी व अंग्रेज़ी में विज्ञान, साहित्य, पर्यावरण, प्रबन्धन, शिक्षा, इतिहास, समाज–विज्ञान, राजनीति शास्त्र आदि से सम्बन्धित विषयों पर 10 लेख, 05 नोट्स् व कमैन्ट्स्, 04 पुस्तक समीक्षाएं और 01 शोध–सारांश प्रकाशित किये गये हैं।

सम्पादकीय...

बच्चों की रेल चल पड़ी और 'विद्या भवन खोज-ख़बर' को पढ़ने वालों को जाने कहां पीछे छूटा बचपन फिर से मिल गया। ये अंक आपको स्कूली जीवन में धरे नाना रूपों की याद दिलाएगा, तो वनशाला, एनिवर्सरी प्रोजेक्ट्स्, महाविद्यालयी शिक्षा और शिक्षक प्रशिक्षण की स्मृतियों को भी ताजा करेगा। विद्या भवन के रिसर्च जर्नल का प्रकाशन उल्लेखनीय है, वहीं पॉलिटैक्निक को उत्तर भारत में सर्वश्रेष्ठ संस्थान का दर्जा और रूरल इन्स्टीट्यूट में नैक का निरीक्षण भी विद्या भवन के कर्मठ कार्यकर्ताओं की उपलब्धियां हैं। डॉ. हृदयकांत दीवान गोया सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन हमारे सलाहकार बने हुए हैं और विद्या भवन से उनका रिश्ता कायम है। विद्या भवन ने सामाजिक सरोकारों में अपने योगदान का सिलसिला जारी रखा है और स्वच्छता पर उदयपुर की मैपिंग व सुझाव, पंचायती राज चुनाव से पूर्व गांवों में मतदाता जागरूकता अभियान व शिक्षण में थियेटर की उपयोगिता के प्रयास किए हैं। दो शैक्षिक पत्रिकाओं सहित अन्य पत्रिकाओं के प्रकाशन नियमित हैं। कार्यकर्ताओं की क्षमता बढ़ाने के सिलसिले में भावी योजनायें बनी हैं, वहीं इस न्यूज़लैटर के रिपोर्टर्स् को फोटोग्राफी की आधारभूत जानकारी दी गई है। अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं व यूनिट टैस्ट के बाद हमारी शालाओं ने अभिभावकों से संवाद बनाया है और वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी में उनके योगदान पर सुझाव भी दिए हैं। पूर्व छात्र-छात्राओं के सतत् योगदान और कृषि विज्ञान में नए सिरे से काम के साथ इस सत्र के अंत तक विद्या भवन के शैक्षिक परिसर व फार्म और ज्यादा निखर उठेंगे।

सलाहकार
हृदय कांत दीवान

संपादन
हिमालय तहसीन, गिरीश शर्मा, अंजना राव

ले-आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

विद्या भवन अकादमिक सलाहकार समिति

विद्या भवन अकादमिक सलाहकार समिति की बैठक 8 नवम्बर को विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र सभागार में हुई। सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने सूचित किया कि नए शैक्षिक सलाहकार की नियुक्ति होने तक कमल महेन्द्रु समिति की बैठकों की अध्यक्षता करेंगे।

बैठक में संस्था प्रधानों को संस्था के स्तर पर बैठकें कर के संस्थागत समूहों के समन्वयकों के साथ मुद्दों को साझा करने का सुझाव दिया गया तथा सितम्बर में हुईं प्रस्तुतियों के संबंधित संस्थावार मुख्य बिंदु बनाकर भेजने को कहा गया। विद्या भवन की संस्थाओं के कार्यकर्ताओं के लिए दो दिवसीय खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम को नियमित वार्षिक आयोजन बनाने व आयोजन समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

संस्थागत समूहों से वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रपत्रों को अंतिम रूप देकर जमा कराने को कहा गया। बैठक में विद्या भवन का मीडिया सेण्टर बनाने, 'विद्या भवन खोज–ख़बर' में स्कूल की गतिविधियों के पृष्ठों की कॉपी छात्र–छात्राओं व अभिभावकों को देने, 'फैकल्टी डवलपमेण्ट कमेटी' द्वारा ग़ैर–शैक्षिक कर्मचारियों का प्रशिक्षण, लेखाकारों के रिफ्रेशर कोर्स तथा विद्यार्थियों की प्रगति के मूल्यांकन के तरीकों व प्रश्न–पत्रों पर कार्यशाला के सुझाव शामिल थे।

शोध की पद्धतियों पर जून–जुलाई में हुई कार्यशाला के फीडबैक में सांख्यिकीय पद्धतियों एवं शोध में उनकी उपयोगिता पर कार्यशालाओं की ज़रूरत को महसूस किया गया।

फैकल्टी डवलपमैण्ट कमेटी

विद्या भवन सोसायटी की फैकल्टी डवलपमैण्ट कमेटी की गत तीन माह में 6 बैठकें हुईं।

महाविद्यालय समूह की शोध कार्यशाला के फॉलोअप के लिए प्रतिभागियों की रुचि के अनुसार शोध के विषयों का वर्गीकरण किया गया और पांच समूहों– शिक्षा, विज्ञान, सामाजिक, भाषा व मानविकी तथा वाणिज्य का निर्धारण किया गया। समूहवार विषय–विशेषज्ञों की सूची तैयार की गई। शोध कार्यशाला दो चरणों में होगी। प्रथम चरण में शोध की रूपरेखा बनाना व गुणवत्तापूर्ण शोध की समझ विकासित करना व द्वितीय चरण में शोध के लिए विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकी पर समझ बनाई जाएगी।

शोध सांख्यिकी के चयनित मुख्य क्षेत्रों probability, distribution, distribution statistics, variance hypothesis, testing, co-relation, regression, factor, fitness test, software uses in statistics पर 10 से 15 एक–दिवसीय कार्यशालाएं होंगीं।

विद्यालय समूह को पूर्व में दिए गए असाइनमेण्ट्स् में आ रही समस्याओं विद्यालयों में जाकर चर्चा की गई। दो विद्यालयों के कुछ प्रतिभागियों ने असाइनमेण्ट्स जमा करवा दिए हैं। विद्या भवन पब्लिक स्कूल व विद्या भवन बेसिक स्कूल के प्रतिभागियों ने मूल्यांकन व आंकलन पर अपनी समझ को बढ़ाने की आवश्यकता को सामने रखा, जिसपर कमेटी ने कार्य प्रारम्भ कर दिया है। विद्यालय समूह की आगामी कार्यशाला कक्षा 5 व 8 के सभी विषयों में मूल्यांकन व आंकलन से सम्बन्धित मुद्दों पर समझ बनाने के लिए होगी।

कमेटी की उपर्युक्त बैठकें 18, 28 व 29 अक्टूबर; 5 व 22 नवम्बर तथा 6 दिसम्बर 2014 को हुईं।

विद्या भवन खोज–ख़बर के रिपोर्टर्स् एवं सम्पादक मण्डल

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि (ऊपर) एवं पेजेण्ट में प्रस्तुति देते विद्यार्थी (नीचे)।

समाज और महिला विकास प्रायोजना

इस वर्ष की वार्षिक प्रायोजना का विषय "समाज, विकास और महिला" था। कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यार्थियों ने 8 श्रेणियों में प्रायोजना कार्य किया। शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्र–छात्राओं ने विषय की जानकारी हासिल की और चार्ट, मॉडल व आलेख तैयार किए। प्रायोजना की प्रदर्शनी का उद्घाटन ज़िला कलेक्टर आशुतोष पेडणेकर ने किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं पुरुषों की प्रत्येक अवसर में बराबर भागीदारी होने पर ही महिला विकास सार्थक होगा। प्राचार्या ऊषा किरण ने विश्वास जताया कि विद्या भवन द्वारा अपने कार्यों एवं विचारों से समाज में परिवर्तन लाने का प्रयास निरन्तर जारी रखा जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के साथ सोसायटी अध्यक्ष रियाज़ तहसीन, व्यवस्था सचिव एस.पी. गौड़ एवं विद्या भवन की अन्य संस्थाओं के संस्थाध्यक्षों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता व काउंसलिंग

"राजनेताओं के लिए न्यूनतम योग्यता निर्धारित होनी चाहिए" विषयक राज्य स्तरीय द्विभाषी अन्तर्विद्यालयी वाद–विवाद में शाला के चार विद्यार्थियों ने भाग लिया। पेसिफिक महाविद्यालय में हुई प्रतियोगिता में हिन्दी में विषय के पक्ष में कक्षा–11 की गरीमा श्रीमाली व विपक्ष में कक्षा–11 के गुलशन कुमार फुलवानी ने तथा अंग्रेजी में पक्ष में कक्षा–12 की निकिता जालोरा व विपक्ष में कक्षा 12 के परम निमावत ने भाग लिया और प्रमाण–पत्र प्राप्त किए। पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में आयोजित करियर काउंसलिंग में 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

28 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति

विद्या भवन विद्या बंधु संघ की ओर से शाला के 28 विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल के पूर्व छात्र प्रदीप गुप्ता, हरीश आचार्य और विद्या बंधु संघ के आमोद–प्रमोद मंत्री गोपाल बम्ब थे। अतिथियों ने विद्यार्थियों के साथ अपने स्कूली जीवन के अनुभवों को साझा किया।

वनस्पतियों को जाना, संग्रहित किया

विद्यालय से कक्षा 11वीं एवं 12वीं विज्ञान के विद्यार्थियों ने विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र का भ्रमण किया। जीव विज्ञान अध्यापिका भावना भट्ट व रसायन विज्ञान अध्यापिका संतोष मेनारिया के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने केन्द्र पर पेड़–पौधों की पत्तियों व अन्य भागों का संग्रहण किया। उन्होंने पुष्पों पर प्रायोगिक कार्य कर उनके विभिन्न भागों की संरचना के बारे में जाना।

स्काउट शिविर में शामिल हुई छात्राएं

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ उदयपुर द्वारा आयोजित गाईड प्रशिक्षण में विद्यालय की 17 छात्राओं ने भाग लिया। रा.बा.उ.मा. विद्यालय, सुन्दरवास में लगे शिविर में सी.ओ. सुभिता गिल ने अनुशासन व पोशाक पर चर्चा की। जिला शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) मोहनसिंह राव ने बताया कि बच्चों को इस गतिविधि से व्यावहारिक जीवन में मिलजुल कर कार्य की प्रवृत्ति का विकास होता है। गाइड सहायिका किरण पोकरना के मार्गदर्शन में सर्वधर्म प्रार्थना एवं झण्डा गीत गाया।

राष्ट्रीय स्तर के लिए हॉकी प्रशिक्षण

राज्य स्तरीय हॉकी में श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय के दो छात्रों का राष्ट्रीय स्तर के लिए आयोजित हॉकी कैम्प में चयन हुआ। कक्षा–8 के राजेन्द्र मीणा (14 वर्ष आयुवर्ग) ने अलवर में और कक्षा–10 के भगवानसिंह मीणा (17 वर्ष आयुवर्ग) ने जयपुर स्थित विराट नगर में हॉकी के कैम्पों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

अन्तरकक्षा बैडमिंटन व क्रिकेट

विद्यालय में आयोजित अन्तरकक्षा बैडमिंटन में कक्षा–9 के नरेश गमेती विजेता, कक्षा–10 के मंशाराम मीणा उप–विजेता व कक्षा–11 के जितेन्द्रसिंह चौहान तृतीय रहे।

अन्तरकक्षा क्रिकेट का फाईनल मैच कक्षा–11 (कला) व कक्षा–11 (विज्ञान) के बीच खेला गया। प्राचार्या ऊषा किरण ने मैच का टॉस कराया। कक्षा–11 (विज्ञान) ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 112 रन बनाए, जिसके जवाब में कक्षा–11 (कला) ने 15 ओवर में 113 रन बनाकर मैच जीत लिया। इसी तरह, जूनियर वर्ग का फाईनल मैच कक्षा–8 (ए) व कक्षा–7 (ए) के बीच खेला गया, जिसमें कक्षा–8 (ए) विजेता रही।

बच्चों ने बिखेरे रंग, उकेरे चित्र

नर्सरी स्कूल में नन्हें–मुन्नों ने विभिन्न अवसरों पर रंग–बिरंगे चित्र और कार्ड्स् बनाए। शिक्षक दिवस पर बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड्स् बनाए और शिक्षिकाओं को भेंट किए। उन्हें डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के बारे में जानकारी दी गई। बाल दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता में सभी बच्चों ने ड्रॉइंग शीट्स् पर खूब कूची–कलम चलाई। प्रतियोगिता के विजेताओं को

आहाड़ संग्रहालय में प्राचीन इतिहास की जानकारी प्राप्त करते जूनियर स्कूल के विद्यार्थी (बाएं) एवं गुलाबबाग में ट्रेन की सवारी का लुत्फ उठाते बच्चे (दाएं)।

सर्टिफिकेट दिए गए। अभिभावकों के साथ बैठक कर उन्हें नौनिहालों की प्रगति से अवगत कराया गया।

नए सत्र की योजना बननी शुरू

प्राचार्या ऊषा किरण की अध्यक्षता में जूनियर स्कूल के स्टाफ सदस्यों की बैठक में आगामी सत्र के लिए कार्य–योजना की रूपरेखा तैयार की गई तथा पुस्तकों की सूची बनाई गई। कक्षा 1 से 5 तक की गतिविधियों को तय करने के बाद आगामी सत्र के कैलेण्डर को अंतिम रूप दिया जाएगा। कैलेण्डर को अभिभावक, अध्यापक व फोटोग्राफर को दिया जाएगा ताकि सभी गतिविधियां सुचारू रूप से चलें और उनका दस्तावेज़ीकरण हो। विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने हेतु सुझाव आमंत्रित किए गए।

वन्य जीवों व इतिहास को जाना

पहली व दूसरी कक्षाओं के विद्यार्थी पर्यावरणीय शैक्षिक भ्रमण के लिए गुलाबबाग जन्तुआलय गए। उन्होंने जानवरों की संख्या, खान–पान, दिनचर्या आदि बातों को नोट किया। वन विभाग के अधिकारियों ने नन्हें प्रश्नकर्ताओं के सटीक सवालों की सराहना की।

इसी तरह, तीसरी व चौथी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने लोक कला मण्डल में आदिवासी संस्कृतियों को जाना और कठपुतली–शो का आनन्द लिया। आहाड़ संग्रहालय में पुरातात्विक खुदाई में मिले 4000 साल पुराने उपकरण, हथियार, बर्तन आदि सामग्री व बस्ती के मॉडल देखे। बच्चों ने अवलोकन के आधार पर रिपोर्ट बनाई।

परीक्षाओं हेतु अभिभावकों से संपर्क

जूनियर स्कूल में मासिक परीक्षा के बाद शिक्षकों ने अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों की प्रगति बताई और अर्द्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी के सुझाव दिए ।

श्रमदान और फैन्सी–ड्रैस

बाल दिवस पर बच्चों और शिक्षकों ने शाला परिसर में श्रमदान किया। कक्षा–कक्षों की सजावट की गई। विचित्र वेश–भूषा धारण कर 51 बच्चों ने फैन्सी–ड्रैस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसे देखने नर्सरी के बच्चे भी आए।

क्रिसमस पर्व मनाया

क्रिसमस पर बच्चे सान्ता क्लॉज बने। बच्चों की बनाई गई कलाकृतियों से शाला को सजाया गया। सभी को केक और चॉकलेट्स् बांटे गए।

शैक्षणिक संवाद की पत्रिकाएं

'खोजें और जानें' पत्रिका का अंक–11 'बाल संसद के रास्ते' प्रकाशित हुआ। बच्चों के सर्वांगीण विकास के बारे में बात करते समय उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास भी महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। देश भर के विद्यालयों में बाल पंचायत, बाल शिक्षा पंचायत, बाल संसद, शाला संसद आदि नामों से यह गतिविधि होती है। इससे जुड़े पहलुओं व अनुभवों पर आधारित सामग्री जुटाई गई ताकि बाल संसद के निहितार्थ को समझने में मदद मिले।

'शिक्षा की बुनियाद' के अंक–10 में शिक्षा की चुनौतियों के साथ–साथ सकारात्मक बदलाव के प्रयास सामने लाए गए। अनुराग बेहार अपने लेख में सवाल उठाते हैं कि एक शिक्षक बनने के लिए क्या आवश्यक है। इसी कड़ी में सुदर्शन अय्यंगार शिक्षक–शिक्षा के माध्यम से पेशेवर और मानवीय शिक्षक तैयार करने की ओर इशारा करते हैं। छोटी कक्षाओं में बच्चों को वर्णमाला केन्द्रित शिक्षा के बजाए 'पढ़ना' सीखने की प्रक्रिया में शामिल करने के अनुभवों पर प्रमोद मैथिल रोशनी डालते हैं। मार्जरी साइक्स का विचार है कि जब आप सोचना शुरू करते हैं तभी आप सीखते हैं।

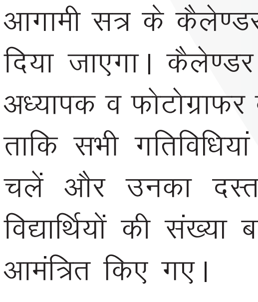

स्निग्धा दास की "मिस आऊनोस् न्" एक मार्मिक अनुभूति है जो हमें अपने शिक्षकीय दायित्वों पर सोचने को मजबूर करती है। उषा पानेरी पुस्तकालय की किताबी व व्यवहारिक स्थितियों का परीक्षण करती हैं।

नरेन्द्र 'नन्द' बाल केन्द्रित शिक्षा व शिक्षा सिद्धान्तों को कक्षा–कक्ष में प्रयोग करने के अपने अनुभव को साझा करते हैं वहीं फैज कुरैशी का आलेख "परीक्षा लो और बच्चों को बाहर करो" सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का आंकलन करता है। "जरूरत है हुनरमंद शिक्षकों की" में पं. गुणसागर सत्यार्थी शिक्षकों की क्षमता संवर्द्धन की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं और विकल्प प्रस्तुत करते हैं।

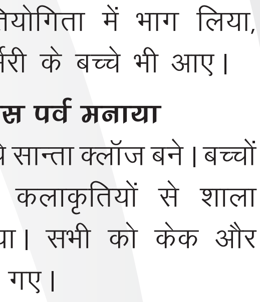

विद्या भवन सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, रामगिरि

बापू व शास्त्री के आदर्शों का स्मरण

गांधी जयन्ती एवं शास्त्री जयन्ती पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा हुई। कक्षा तीन व पांच के बच्चों ने बापू पर कविता व गीत सुनाए। शिक्षकों ने बच्चों को महात्मा गांधी के जीवन, उनके आदर्श व स्वतन्त्रता प्राप्ति में उनके योगदान तथा शास्त्रीजी के जीवन व कर्म से अवगत कराया। बापू व शास्त्रीजी पर प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई।

बड़गांव व रामगिरि की आर्थिक स्थिति का विवेचन

ग्यारवीं कक्षा कॉमर्स के विद्यार्थियों ने अपने प्रायोगिक कार्य के तहत बड़गांव व रामगिरि क्षेत्र के निवासियों की आर्थिक स्थिति की विवेचना की। छात्र–छात्राओं ने परिवारों की आर्थिक स्थिति के आंकड़े संकलित किये, जिनके आधार पर व्यावसायिक स्थिति, बेरोजगारी, आय–व्यय की समानता व असमानताओं का विवेचन किया।

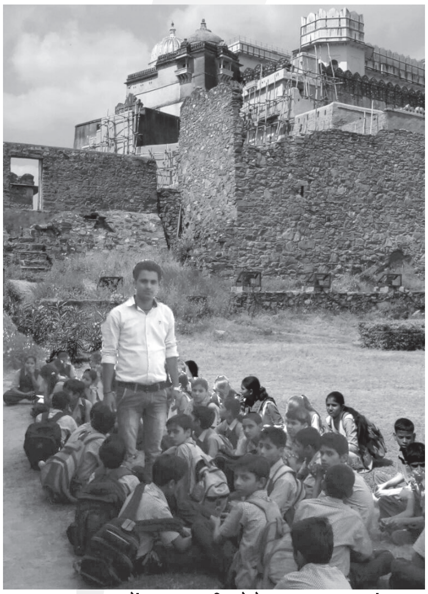

कुम्भलगढ़ में जानकारी लेते छात्र–छात्राएं।

ऐतिहासिक दुर्ग का अध्ययन

कक्षा छः से आठ के छात्र–छात्रायें शैक्षणिक भ्रमण के लिए कुम्भलगढ़ गए। राष्ट्रीय धरोहर कुम्भलगढ़ दुर्ग पर विद्यार्थियों ने पोल, तोपखाना, बादल महल, रानी महल, शिव–मंदिर, वेदी मंदिर का अवलोकन किया। उन्होंने दुर्ग के निर्माता, निर्माण काल व कला की जानकारी प्राप्त की तथा किले को पहाड़ पर बनाने के कारणों को समझा।

मेले का लुत्फ उठाया

बाल दिवस पर शाला परिसर में 'बाल मेला' लगा, जिसका उद्घाटन विद्या भवन गांधी अध्ययन शिक्षा संस्थान की प्राचार्य डॉ. सुगन शर्मा ने किया। विद्यार्थियों ने गीत, शिक्षिका देवयानी रॉय ने संस्कृत गान तथा अन्य शिक्षिकाओं ने समूह नृत्य प्रस्तुत किये। छात्र–छात्राओं ने मेले में सैंडविच, भेल–पूड़ी, पॉपकॉर्न, बर्गर, नूडल्स, के साथ–साथ आईसक्रीम, भुट्टे, राबड़ी, मूंगफली, पापड़ी, नींबू–पानी आदि स्टॉल लगाये। बच्चों ने अपने स्तर पर सामग्री जुटाई और निर्माण, लागत व लाभ की गणना, क्रय–विक्रय तथा ग्राहकों को आकर्षित करने संबंधी व्यवसायिक गुणों को सीखा।

प्रकृति के बीच पहुंची शाला पंचायत

शाला पंचायत ने कुण्डेश्वर महादेव पर प्रकृति के बीच सुकून भरे वातावरण में दिन व्यतीत किया। समस्त स्टाफ के साथ शाला पंचायत के सदस्यों ने दृश्यों झरने, तालाब, एनीकट, खेत, पेड़–पौधों को देख आनन्द की अनुभूति की। उन्होंने प्रकृति नाना रूपों के महत्व को समझा तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

कार्ड्स, दीप सज्जा व वंदनवार बनाये

प्राइमरी सेक्शन में बाल सभा के अंतर्गत दीपावली के कार्ड व वंदनवार बनाई व दीपों को सजाया। बच्चों में रचनात्मक कौशल विकसित करने तथा उनके हुनर को निखारने का मौका मिला।

वातावरण अन्तःक्रिया युक्त हो

मोटिवेशन सोसायटी ऑफ इण्डिया के सदस्य अशोक जैन ने विद्यार्थियों को अध्ययन के समय एवं विषय के दोहरान के बारे में ध्यान रखने योग्य बातें बताईं; उन्होंने व्यायाम, संतुलित भोजन और टीवी व मोबाईल के संयमित उपयोग के प्रभावों को भी बताया।

बच्चों को करियर के बारे में सलाह देते विशेषज्ञ।

करियर के बारे में सोचा

बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को अपना कार्यक्षेत्र चुनने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर मार्गदर्शन दिया गया। तिरुपति बालाजी अकेडमी के पंचम मेहता ने सम्बोधित किया।

स्वच्छ विद्यालय अभियान

'स्वच्छ विद्यालय अभियान' में सभी बच्चों ने जिम्मेदार विद्यार्थी बनने का सबक सीखा। उन्होंने मिलकर कक्षा–कक्षों की सफाई की और ज्ञानवर्धक चार्ट व पोस्टर बनाकर कक्षा में लगाए। इसके अलावा 'एक्शन उदयपुर' में हिस्सेदारी के लिए कार्यशाला हुई, जिसमें नवीं से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थी शामिल हुए।

पांच शिक्षकों को सम्मान

पेसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एज्युकेशन एण्ड रिसर्च युनिवर्सिटी की ओर से 10वीं एवं 12वीं में शत–प्रतिशत परिणाम देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इनमें विद्यालय के ललित पालीवाल, रूपलाल चौबीसा, कमलेश शर्मा, मधु चारण तथा मंजु श्रीमाली शामिल हैं।

प्रतिभा भार्गव सेवानिवृत्ति

शिक्षिका प्रतिभा भार्गव 27 वर्ष की सेवा के उपरान्त सेवानिवृत्त हुईं। प्राचार्य मधुलिका कोठारी व स्टाफ सदस्यों ने उन्हें प्रशस्ती पत्र, शॉल भेंट की। बच्चों ने सस्नेह कार्ड बनाकर दिए।

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

महापुरूषों के जीवन से पाई सीख

बच्चों में महापुरुषों के अच्छे कार्यों एवं गुणों को ग्रहण करने की प्रवृत्ति जागृत करने के उद्देश्य से गांधी एवं शास्त्री जयंती मनाई। छात्र–छात्राओं ने गांधीजी के जीवन से संघर्ष में भी सत्य और अहिंसा की राह पर चलने तथा शास्त्री जी से सादगीपूर्ण कर्तव्यनिष्ठ जीवन की सीख पाई। सबने मिल कर गांधीजी का प्रिय भजन "वैष्णव जन तो ते ने कहिये, जे पीर पराई जाने रे" गाया।

'रेगिस्तान के जहाज' की सवारी करते विद्यार्थी।

जैसलमेर जिले में शैक्षिक भ्रमण

कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थी शैक्षिक भ्रमण के लिए जैसलमेर गए। भ्रमण का उद्देश्य राजस्थान के ऐतिहासिक स्थानों की पृष्ठभूमि व उनके महत्त्व से बच्चों को अवगत कराना था। बच्चों ने भारत–पाक सीमा पर स्थित तनोट माता मन्दिर के ऐतिहासिक महत्त्व को जाना व बोर्डर पर बी.एस.एफ. के सैनिकों से बातचीत की। शाला की ओर से प्रस्तुत नृत्य एवं गीत को जवानों ने सराहा। बच्चों ने सोनार किला, गड़ीसर झील व लौद्रवा जैन मन्दिर का भ्रमण किया, वहीं 'सम' के धोरों में ऊंट की सवारी का आनंद लिया।

अभिभावकों की भूमिका पर चर्चा

बच्चों की प्रगति के स्तर व सीखने की प्रक्रिया को साझा करने के उद्देश्य से अभिभावक–शिक्षक बैठक हुई। बच्चों के शिक्षण में अभिभावकों की भूमिका व महत्त्व पर चर्चा हुई। प्रधानाचार्या नीरजा जैन ने शैक्षिक समस्याओं व आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की सहायतार्थ अभिभावकों से निवेदन किया।

गरबा नृत्य का आयोजन

शाला में विद्यार्थियों ने गरबा नृत्य का आयोजन किया। उन्होंने पारम्परिक व आधुनिक वेशभूषा में हिस्सा लेकर संस्कृति के रंग–यति–गति मिश्रित इस पक्ष का अनुभव व आनन्द लिया।

दीपावली बाल मेला

व्यावसायिक योग्यता के संवर्द्धन एवं मनोरंजन के उद्देश्य से दीपावली बाल मेला लगाया गया। छात्र–छात्राओं ने खेल एवं व्यंजनों सम्बन्धी दो दर्जन स्टॉल लगाईं। बच्चों के उत्साहवर्द्धन के लिए विभिन्न प्रतियोगितायें हुईं। स्टाफ और बच्चों के साथ ही अभिभावकों ने भी मेले का खूब आनंद उठाया।

वेस्ट से बनाई सामग्री, लगाए स्टॉल

बाल दिवस पर बच्चों को अपनी सृजनात्मकता प्रकट करने का अवसर मिला। शाला में 'आर्ट एण्ड क्राफ्ट प्रतियोगिता' हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने चित्र बनाए एवं 'वेस्ट मटेरियल' से विविध वस्तुएं बना कर उनकी प्रदर्शनी लगाई। इसके साथ ही फैन्सी ड्रैस प्रतियोगिता हुई।

वहीं, स्काउट गाईड एवं जिला शिक्षा अधिकारी उदयपुर द्वारा आयोजित बाल व्यावसायिक मेले में विद्यालय के 8 विद्यार्थियों ने भाग लिया। फतह सीनियर सैकण्डरी स्कूल में हुए आयोजन में उन्होंने एन्ग्री बर्ड, पिक द बैलून आदि खेलों की स्टॉल लगाईं तथा छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुतियों में भाग लिया।

गली चुनी, सर्वे और सफाई की

'बाल जनाग्रह' संस्था के तत्वावधान में दस विद्यालयों के आठवीं के छात्रों को "स्वच्छता का ध्यान रखना" विषयक प्रोजेक्ट दिया गया। इसी क्रम में, विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने एक गली का चयन कर वहां सर्वे किया, जिसमें बिजली, पानी एवं गन्दगी की जानकारी ली। उन्होंने गली में फैले कूड़े–कचरे, पॉलीथीन को एकत्र कर सफाई की और पूरे कार्य की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

"विद्या भवन खोज–ख़बर" के रिपोर्टर्स् ने सीखे फोटोग्राफी के गुर

विद्या भवन की सभी संस्थाओं से 'विद्या भवन खोज–ख़बर' के रिपोर्टर्स् की कार्यशाला 4 दिसम्बर को विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर हुई। इसमें न्यूजलैटर के नवीन अंक की समीक्षा की गई। विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र की जया राठौड़ एवं विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी. के डॉ. मोहनलाल जाट ने रिपोर्टर्स् को संस्थागत समाचारों के लिए फोटोग्राफ लेने की विधियां बताईं। कार्यशाला में 15 रिपोर्टर्स् सहित 20 सम्भागी थे, जिन्हें प्रमुख जानकारियों का दस्तावेज ईमेल के माध्यम से भी भेजा गया।

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

महाविद्यालय को नैक से "बी" ग्रेड

उच्च शिक्षण संस्थाओं में शिक्षा की गुणवत्ता के सम्पूर्ण संदर्भों के मूल्यांकन के लिए गठित राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की तीन सदस्यीय समिति ने 27 से 29 नवम्बर तक महाविद्यालय का निरीक्षण किया। समिति के अध्यक्ष प्रो. जोसेफ दौराईराज थे और सदस्य प्रो. आर.एम. रंगनाथ व डॉ. बिबेकानन्द सरमाह थे। निदेशक डॉ.टी.पी. शर्मा ने महाविद्यालय के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। नैक ने महाविद्यालय को "बी" ग्रेड प्रदान किया गया। नैक की समिति के सदस्यों ने वनस्पति शास्त्र विभाग में पौधारोपण किया।

समाज विज्ञान में तलाशें 21वीं सदी के प्रश्नों के जवाब : प्रो. दधीच

कोटा खुला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. नरेश दधीच ने कहा कि 21वीं सदी के समाज विज्ञान को भी महत्ता देनी होगी। ग्रामीण, नगरीय, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक आदि क्षेत्रों में कई प्रश्नों के ठोस जवाब समाज विज्ञान के माध्यम से ढूंढे जा सकते हैं और युवा पीढ़ी को इस दिशा में सोचना चाहिए। वे विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, विद्या भवन रिसर्च फोरम और विद्या भवन स्थानीय शासन और उत्तरदायी नागरिकता संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में "वर्तमान में समाज विज्ञान के समक्ष चुनौतियां" विषयक व्याख्यानमाला में बोल रहे थे। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रो. संजय लोढ़ा ने युवाओं को वित्तीय संसाधनों और उन्नत तकनीकों के उचित तालमेल से गुणवत्ता पूर्ण मौलिक चिंतन को प्रस्तुत करने पर बल दिया। प्रो. अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि नित्य होने वाले शोधों की प्रासंगिकता तभी होगी, जब वे समाज में बदलावों को रेखांकित करने में सहायक होंगे।

लोक वनस्पति पर प्रस्तुति

व्यक्तिगत और संस्थागत स्तर पर होने वाले शोध और उनके परिणामों को प्रोत्साहन देने के लिए गठित 'विद्या भवन रिसर्च फोरम' की मासिक बैठक में महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र की व्याख्याता डॉ. अनिता जैन ने 'राजस्थान की लोक वनस्पति की अगले 10 वर्षों की रूपरेखा' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया। डॉ. जैन ने यह शोध बी.एस.आई., देहरादून में प्रस्तुत किया, जिसपर उन्हें बी.सी. पॉल मेडल–2013 दिया गया।

iLrd foekpu% विद्या भवन रिसर्च फोरम की बैठक में डॉ. अर्चना जैन की पुस्तक "दण्ड विवेक की आलोचनात्मक समीक्षा" का विमोचन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने किया। उपाध्याय कृत 'दण्ड विवेक' का अपराध, न्याय और दण्ड के क्षेत्र में विशेष महत्त्व है; डॉ. जैन की पुस्तक में इसकी प्रासंगिकता का आंकलन किया गया है।

जन्तु विज्ञान प्रयोगशाला कंप्यूटरीकृत

यू.जी.सी. के द्वारा जन्तुओं की अनावश्यक हिंसा को रोकने के लिए महाविद्यालयों में विच्छेदन पर रोक लगा दी गई है। वैकल्पिक व्यवस्था में इन्फॉर्मेशन एण्ड कम्युनिकेशन टैक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए जन्तु विज्ञान प्रयोगशाला में कम्प्यूटर लगाए गए हैं। कम्प्यूटरीकृत प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को एनिमेशन के माध्यम से विच्छेदन सिखाया जाएगा।

जेण्डर पर प्रशिक्षण

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के 20 स्वयंसेवकों ने "जैण्डर आधारित घरेलू हिंसा के सामाजिक व कानूनी पहलू" विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। विकास संस्थान केन्द्र, जयपुर द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण में विद्यार्थियों ने हिंसा के कारण, बचाव और सावधानियों को जाना।

फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

रसायन विज्ञान विभाग में एम.एस.सी. के नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर्स् पार्टी का आयोजन हुआ। एम.एस.सी. पूर्वार्द्ध के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। लोकेश जोशी को 'मिस्टर' एवं रितु को 'मिस फ्रेशर' चुना गया।

इग्नू इण्डक्शन कार्यक्रम

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के इण्डक्शन कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रूपाली श्रीवास्तव और इग्नू कॉर्डिनेटर लक्ष्मणसिंह राजपूत ने दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता के बारे में बताया तथा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

रोजगार के अवसरों पर कार्यशाला

वाणिज्य एवं प्रबंध विभाग द्वारा 'सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर' विषयक कार्यशाला हुई। इण्डियन बिजनेस स्कूल की ओर से विद्यार्थियों को अलग–अलग क्षेत्रों में रोजगार से जुड़ी जानकारियां दी गईं। व्यक्तित्व विकास पर विद्यार्थियों में समझ विकसित करने के लिए रोल–प्ले हुआ।

उद्यमिता जागरूकता शिविर

रसायन शास्त्र विभाग व डी.एस.टी.–नीमैट की ओर से उद्यमिता जागरूकता शिविर में विद्यार्थियों को स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया गया। उन्हें लघु उद्योग स्थापना व वित्तीय सहायता के बारे में बताया गया। जिला उद्योग केन्द्र, राजस्थान वित्तीय निगम, पेसिफिक विश्वविद्यालय, जनार्दन राय नागर विश्वविद्यालय एवं विद्या भवन पॉलिटैक्निक कॉलेज से विशेषज्ञ आए। शिविरार्थियों ने 'विकास

स्वीच एण्ड गियर्स' का औद्योगिक भ्रमण किया। शिविर में 115 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिन्हें महाविद्यालय के पूर्व छात्र एवं राजस्थान एब्रेसीव प्रा.लि. के प्रबन्धक निदेशक धर्मेन्द्र दवे, यू.सी.सी.आई. के उपाध्यक्ष हंसराज चौधरी, प्रो. सुरेश चन्द्र आमेटा, डॉ. पिंकी पंजाबी तथा विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने सम्बोधित किया।

Q|dYVh Moyie|.V% डी.एस.टी.–नीमैट के उद्यमिता विकास सेल की ओर से हुई फैकल्टी डवलपमैण्ट कार्यशाला में महाविद्यालय की डॉ. सुषमा जैन तथा लक्ष्मी दुलावत ने भाग लिया।

बी.बी.एम. का स्टूडैण्ट सेमिनार

बी.बी.एम. विभाग के 'स्टूडैण्ट सेमिनार' में विद्यार्थियों ने उदयपुर में कार्यरत विभिन्न उद्योगों पर विचारों को साझा किया। उन्होंने संगठन संरचना, कार्मिक नियम और उनके उत्पाद, तकनीकों पर प्रस्तुतीकरण दिए। प्रशिक्षु के रूप में कार्यरत एम.कॉम. के पूर्व विद्यार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा किया।

पोस्टर प्रतियोगिता

संस्कृत विभाग द्वारा स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए 'संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति' विषयक पोस्टर प्रतियोगिता में 18 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मीरा टांक प्रथम, सविता भगोरा द्वितीय एवं रोहित शर्मा व भंवर लाल डांगी तृतीय रहे।

फूड प्रोसेसिंग व मत्स्य फार्म देखा

बी.एससी. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मत्स्य फार्म का अवलोकन किया। उन्होंने फिश–पॉण्ड निर्माण, रख–रखाव व मछली–पालन की जानकारी ली। साथ ही विविध मछली उत्पाद बनाने, इनसे आय तथा उद्योग में लगने वाली मशीनरी के बारे में जाना।

आगामी त्रैमास के कार्यक्रम

– राजनीति विज्ञान विभाग तथा भारतीय समाज विज्ञान और अनुसंधान परिषद् की ओर से "तृणमूल स्तर का विकासः मुद्दे और चुनौतियां" विषयक राष्ट्रीय सेमिनारः फरवरी, 2015।

विद्या भवन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

www.vbawtc.org

कुपोषण के बारे में जागरूकता

केन्द्र पर महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में स्नेह शिविर एवं ई.सी.सी.ई. कार्यशाला हुई। शिविर का लक्ष्य कुपोषित बच्चों का पुनर्वास सुनिश्चित करना, उनके परिवारों को सक्षम बनाना और बाल आहार, स्वास्थ्य की देख–रेख में व्यवहार परिवर्तन करके कुपोषण की रोकथाम के लिए समुदाय को जागरूक करना था। शालापूर्व शिक्षा पर विशेष जोर देने के लिए ई.सी.सी.ई. दिवस की जानकारी दी गई। शिविर में बड़गांव की आशा सहयोगिनियों सहित 125 कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया।

कार्यशाला में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व आशा।

गर्भावस्था में एच.आई.वी. की रोकथाम

राजस्थान स्टेट एड्स कण्ट्रोल सोसायटी की दो दिवसीय कार्यशाला में हरिबाला शर्मा व मधु धायभाई ने भाग लिया। कार्यशाला में बताया कि गर्भावस्था में यान्त्रिक क्षति, प्रसव के समय बच्चे को चोट न लगना एवं केवल एकनिष्ठ स्तनपान द्वारा बच्चे को एच.आई.वी. के संक्रमण से बचाया जा सकता है।

आंगनवाड़ी बनी फलों की बाड़ी

विद्या भवन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र के परिसर में 29 प्रकार के फलदार पेड़–पौधे लगाकर फलों की बाड़ी बनाई गई। इन वृक्षों से वर्ष पर्यन्त विभिन्न प्रकार के फल प्राप्त होते रहेंगे।

शैक्षिक भ्रमण

प्रशिक्षणार्थी कार्यकर्त्ताओं को पेसीफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पीटल में ले जाया गया। उन्हें चिकित्सकीय जानकारियों के साथ ही निःशुल्क सेवाओं से अवगत कराया गया।

मानव संसाधन एवं विधि विभाग

शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियां

विद्या भवन मानव संसाधन एवं विधि विभाग ने निर्धारित लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के बाद विद्या भवन की संस्थाओं में नियुक्तियां की हैं। इनमें शाईनी वर्गिस व्याख्याता अंग्रेजी व कुमकुम सालवी अनुदेशक संगीत विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय; विजय पालीवाल अध्यापक कंप्यूटर एवं महेश कुमार सालवी व दीपिका बोकड़िया सहायक लेखाकार विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल; पूर्णिमा दलाल अध्यापक अंग्रेजी विद्या भवन पब्लिक स्कूल व स्वाति शर्मा सहायक लेखाकार विद्या भवन सोसायटी शामिल हैं। इसी तरह, अल्पकालीन अथवा अस्थाई कर्मचारियों में किशन सिंह देवड़ा व्याख्याता ड्राईविंग एवं इलैक्ट्रिकल्स्, श्याम सिंह चुण्डावत व्याख्याता भौतिकी विद्या भवन पॉलिटैक्निक कॉलेज तथा अरुणा माथुर व्याख्याता अंग्रेजी विद्या भवन गांधी अध्ययन शिक्षा संस्थान की नियुक्तियां की गईं।

जनवरी में होंगे खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

विद्या भवन सोसायटी की ओर से समस्त संस्थाओं में कार्यरत शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों में आपसी मेल मिलाप, सद्भावना एवं स्वस्थ स्पर्द्धा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से गत वर्ष दो दिवसीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आरम्भ किए गए थे। आयोजन की सफलता को देखते हुए इस वर्ष 30 एवं 31 जनवरी 2015 को खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

विद्या भवन पॉलिटैक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

स्वच्छ उदयपुर के लिए सेमिनार

सेण्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली, विद्या भवन सोसायटी एवं उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के संयुक्त तत्वावधान में "सबके कदम स्वच्छता की ओर : सहभागिता से स्वच्छ उदयपुर" विषयक सेमिनार यू.सी.सी.आई. में हुआ। विद्या भवन एवं सी.पी.आर. द्वारा किए गए शोध के परिणामों में उदयपुर शहर की सीमाओं के रेखांकन, आधारभूत सुविधाओं, भौगोलिक सूचना प्रणाली से वार्डवार खुले में शौच का रेखांकन व ठोस कचरा निस्तारण हेतु डम्पिंग साईट के चिन्हीकरण की जानकारी दी गई। सांसद अर्जुनलाल मीणा, विधायक फूलसिंह मीणा, महापौर चन्द्रसिंह कोठारी, विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन, मुख्य आयोजना अधिकारी सुधीर दवे, डी.सी.एम.एच.ओ. डॉ. संजीव टांक, यू.सी.सी.आई. के अध्यक्ष विनोद कुम्भट, हिन्दुस्तान जिंक की सी.एस.आर. प्रमुख सुषमा शर्मा, सी.पी.आर. के प्रखर जैन व झील संरक्षण समिति के अनिल मेहता सहित विशेषज्ञों ने विचार रखे।

मेहता को अभिनव राजस्थान सम्मान

झीलों के संरक्षण हेतु अनवरत प्रयासों के लिए प्राचार्य अनिल मेहता को जयपुर में अभिनव राजस्थान समागम में सम्मानित किया गया। इण्डिया न्यूज के राजस्थान ब्यूरो चीफ श्रीपाल शक्तावत, डॉ. अशोक चौधरी व उद्यमी मनोज जोशी ने उन्हें प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया।

खेलकूद से जीवन में अनुशासन

महाविद्यालय में वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता हुई। छात्र–छात्राओं ने जेवेलिन थ्रो, शॉटपुट, दौड़, स्लो साईकिल रेस, लम्बीकूद, रस्साकशी, डिस्क थ्रो, थ्रीलैग रेस, रिले रेस में भाग लिया। प्राचार्य अनिल मेहता ने कहा कि खेल, जीवन में अनुशासन सिखाते हैं।

तकनीकीविद् हों व्यापक हित से प्रेरित

आमजन एवं पर्यावरण के व्यापक हित की भावना से परिपूर्ण तकनीकीविदों एवं सहज सुलभ एवं प्रभावी तकनीकी से समस्याओं का समाधान निकलेगा। तकनीकी विद्यार्थी इस लक्ष्य के साथ शिक्षण प्रशिक्षण पूर्ण करें। ये विचार सोसायटी अध्यक्ष रियाज तहसीन ने नवागन्तुक विद्यार्थी समारोह में व्यक्त किए। समारोह में 'बिल एवं मिलिण्डा गेट्स् फाउण्डेशन' की प्रतिनिधि लिण्डा पीटरसन, दीपिका एलानी व मधु कृष्णा ने शुभकामनाएं दीं।

अरुण कुमार छीपा प्रथम

पॉलिमर साइंस एवं रबर टैक्नोलॉजी पोस्ट डिप्लोमा के विद्यार्थी अरुण कुमार

छीपा ने रबर टैक्नोलोजी सेण्टर, खड़गपुर द्वारा आयोजित डिप्लोमा इन इण्डियन रबर इन्स्टीट्यूट की वरीयता सूची में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वे कैम्पस प्लेसमेंट में चयनित होकर बालकृष्ण टायर लिमिटेड, अलवर में कार्यरत हैं।

महिला स्वावलम्बन कानून बने

एन.एस.एस. इकाई की ओर से पीयर एज्यूकेटर वालण्टियर प्रशिक्षण में छात्रा वर्तिका व्यास ने कहा कि आर.टी.ई., महानरेगा की तरह महिला स्वावलम्बन कानून बनना चाहिए। प्रशिक्षण में घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, पी.सी.पी. एन.डी.टी. कानून, बाल विवाह निषेध अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न की रोकथाम के कानून की जानकारी दी गई।

आई-फोन एप्लीकेशन पर कार्यशाला

कम्प्यूटर साइंस एवं इनफॉर्मेशन टैक्नोलॉजी विभाग द्वारा आई.ओ.एस. डवलपमैण्ट एण्ड आई–फोन एप्लिकेशन डवलपमैण्ट कार्यशाला हुई। एप्पल के सॉफ्टवेयर और विभिन्न इन्स्टॉलेशन्स् का ओ.एस., एक्स–कोड व स्विफ्ट प्रोग्राम लैंग्वेज की जानकारी दी गई।

रोबोटिक्स् पर सेमिनार

कम्प्यूटर साइंस, इन्फॉर्मेशन टैक्नोलॉजी एवं इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा 'रोबोटिक्स्' विषय पर सेमिनार हुआ, जिसमें रोबोक्राफ्ट टैक्नो के राहुल जोशी ने एम्बैडेड सिस्टम की एप्लिकेशन को समझाया।

बैठक में आए 100 अभिभावक

विद्यार्थियों की अकादमिक एवं सह–शैक्षणिक प्रगति से अवगत करवाने के लिए अभिभावकों के साथ बैठक की गई, जिसमें 100 अभिभावकों ने भाग लिया।

आपदा प्रबंधन पर वार्ता

नाईटर, चण्डीगढ़ की ओर से उत्तर भारत के इंजीनियरिंग एवं पॉलिटैक्निक कॉलेजों के प्राध्यापकों के लिए जोधपुर में हुए आयोजन में प्राचार्य अनिल मेहता ने 'जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन, सतत विकास' पर वार्ता दी।

कम्युनिटी डवलपमेन्ट थ्रू पॉलिटैक्निक

महाविद्यालय में संचालित कम्युनिटी डवलपमेन्ट थ्रू पॉलिटैक्निक एवं अलर्ट संस्थान के सहयोग से गोगुन्दा में तकनीकी हस्तान्तरण व सहायता शिविर में एक माह का सिलाई प्रशिक्षण दिया गया। गोगुन्दा व आस–पास के 8 गांवों की 26 युवतियां शामिल हुईं; कई ने सिलाई से आमदनी भी शुरू कर दी है।

प्रियंका को पीएच.डी.

महाविद्यालय की रसायन विज्ञान की

प्राध्यापिका प्रियंका जालोरा को "फोटोकेटेलेटिक डीग्रेडेशन ऑफ डाईज यूज्ड इन डाइंग एण्ड प्रिंटिंग इण्डस्ट्रीज" विषयक शोध के लिए पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा

विश्वविद्यालय के नियमानुसार बी.एड. विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा संपन्न हुई। विद्यार्थियों ने अपने विषय में परिवेश से जुड़े संप्रत्ययों का समावेश करते हुए समूह–चर्चा, नाटक, आगमन–निगमन, प्रदर्शन, समस्या–समाधान विधि एवं निर्मित्तिवाद उपागमों पर पाठ–योजनाएं तैयार कीं और उनका पॉवर–पॉइण्ट प्रस्तुतीकरण दिया।

दो चरणों में सूक्ष्म शिक्षण अभ्यास

बी.एड. विद्यार्थियों के लिए शिक्षण कार्य का प्रारंभ सूक्ष्म शिक्षण के साथ प्रारंभ हुआ। इसका उद्देश्य वास्तविक शिक्षण कार्य से पूर्व शिक्षण कौशलों पर समझ बनाना था।

प्रथम चरण के अभिविन्यास कार्यक्रम में शिक्षण के विभिन्न कौशलों को बताया, विषयवार प्रदर्शन पाठ हुए एवं विद्यार्थियों ने पाठ–योजनाएं तैयार कीं। तत्पश्चात् पांच दिन तक छोटे समूह में शिक्षण कार्य किया। द्वितीय चरण से पूर्व प्रथम चरण की कमियों एवं समस्याओं पर निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर की अध्यक्षता में मंथन हुआ। अपेक्षित सुधार हेतु विभिन्न कौशलों पर कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। विद्यार्थियों ने कार्यशाला में विषयवार पाठ–योजनाएं बनाईं और प्रस्तुतीकरण किया।

निर्मित्तिवाद पर चर्चा एवं प्रदर्शन-पाठ

महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के क्षमता संवर्धन हेतु डॉ. दिव्य प्रभा नागर की अध्यक्षता में निर्मित्तिवाद पर चर्चा की गई एवं प्रदर्शन पाठ प्रस्तुत किए। प्रो. एम.पी. शर्मा, प्रो. सुषमा तलेसरा सहित सभी संकाय सदस्यों ने निर्मित्तिवाद के सम्प्रत्यय पर पाठ–योजनाओं के निर्माण की समझ विकसित की।

दस दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिदिन प्राध्यापकों ने अपने विषय पर पाठ योजनाएं प्रस्तुत कीं। प्रदर्शन के दौरान आए सुझावों के आधार पर चर्चा कर उन्हें अंतिम रूप प्रदान किया गया।

अकादमिक सहयोग

एस.आई.ई.आर.टी. में बी.एस.टी.सी. द्वितीय वर्ष के नवीन पाठ्यक्रम की पठन सामग्री तैयार करने हेतु कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। विषय विशेषज्ञ के रूप में विज्ञान विषय से प्रो. सुषमा तलेसरा, डॉ. फरज़ाना इरफान, डॉ. मनीषा शर्मा तथा सामाजिक विज्ञान विषय से गिरीश शर्मा ने सेवाएं प्रदान कीं।

वनशाला के समापन पर परिषद्वार कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि।

सोनाणा खेतलाजी में लगी वनशाला

"सम्पोषित विकास" की थीम पर महाविद्यालय का पांच–दिवसीय वनशाला शिविर सोनाणा खेतलाजी में लगा। शिविर में विद्यार्थियों को सामुदायिक जीवन के निकटता, आपसी सामंजस्य व सहभागिता से कार्य करना, स्थानीय परिवेश से जुड़ाव और वहां की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, पृष्ठभूमि को जाना। छात्राध्यापकों को विभिन्न विषयों की परिषद्ों में बांटा गया जहां उन्होंने शिक्षकों के मार्गदर्शन में शोध रिपोर्ट तैयार कीं।

विद्यार्थियों ने परिषद्वार कैम्प फायर, मजलिस एवं सांस्कृतिक संध्या, प्रदर्शनी, स्वच्छता अभियान, साज–सज्जा एवं सौन्दर्यीकरण, सामुदायिक कार्य और मौन–वेला में भाग लिया।

शिविर में किए गए लघु–शोध कार्य, सर्वे तथा सामुदायिक कार्यों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रत्येक कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय की भी सक्रिय भागीदारी रही।

प्रतियोगिताओं में शामिल हुए विद्यार्थी

गांधी जयंती पर विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान, रामगिरि की ओर से आयोजित "गांधी के सर्वोदय की संकल्पना और उसका व्यावहारिक स्वरूप" विषयक निबंध लेखन में महाविद्यालय के बी.एड. छात्र विजय जोशी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एम.एड. छात्रा निर्मला शर्मा ने भी भाग लिया। इसी प्रकार, मातेश्वरी टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से "वर्तमान शिक्षा सामाजिक मूल्यहीनता के लिए उत्तरदायी है" विषयक अन्तरमहाविद्यालयी वाद–विवाद में बी.एड. छात्र जितेन्द्र दान चारण को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप पांच सौ रुपए एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

स्वच्छता सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय में स्वच्छता सप्ताह मनाया गया। निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने छात्राध्यापकों को प्रेरित किया कि वे गुरु के रूप में बच्चों में स्वच्छता के महत्त्व को विकसित करें। अभियान को वर्षपर्यन्त संचालित करने का निर्णय लिया। छात्राध्यापकों ने परिसर में स्वच्छता के लिए श्रमदान किया।

मतदाता जागरूकता सप्ताह मनाया

पंचायती राज चुनाव–2015 के पूर्व मतदाता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत "जागो मतदाता" थीम पर निबंध, आशु–भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिताएं हुईं। अंतिम दिन मतदान जागरूकता का संदेश देते हुए रैली निकाली गई, जिसमें सभी प्राध्यापक भी सम्मिलित हुए।

पाठ्यक्रम क्रियान्वयन के सशक्तीकरण पर कार्यशाला

मोहनलाल सुखाड़िया विश्व विद्यालय के शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित "पाठ्यक्रम

क्रियान्वयन का सशक्तीकरण" विषयक कार्यशाला की शुरुआत प्रो. दिव्य प्रभा नागर द्वारा प्रस्तुत आधार–पत्र से हुई। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर के अध्यक्ष प्रो. बी.एल. चौधरी ने सुझाव दिया कि संस्थानों की गुणवत्ता को स्तरीय बनाने के लिए कार्यशाला में व्यावहारिक समस्याओं पर सत्र भी होने चाहिए। कार्यशाला के दौरान शिक्षा में वर्तमान परिदृश्य, सैद्धान्तिक व व्यावहारिक कार्यक्रमों की समस्याएं एवं अभ्यास शिक्षण पर आधारित तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञों ने चर्चा की। पैनल चर्चा में प्रो. ए.बी. फाटक, प्रो. एम.पी. शर्मा ने भाग लिया।

शिक्षक निभाएं देश के प्रति जिम्मेदारी

1971 के बंग्लादेश युद्ध के विजय दिवस पर कर्नल महेश गांधी ने कहा कि शिक्षक की भूमिका देश के लिए महत्त्वपूर्ण है। वे देश के विकास और प्रगति में योगदान दें। कर्नल गांधी ने युद्ध की परिस्थितियों को बताते हुए नेतृत्व और प्रबंधन पर छात्राध्यापकों के साथ चर्चा की। कर्नल अभय लोढ़ा ने युद्ध की योजना और प्रभाव से सबक लेकर जीवन में सजग रहने के लिए मार्गदर्शन दिया।

इकाई परख

महाविद्यालय में चार दिवसीय इकाई परख मूल्यांकन हुआ। इसमें अनिवार्य एवं ऐच्छिक विषयों की दो–दो इकाइयों को सम्मिलित किया गया, जिसका प्रमुख उद्देश्य सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन करना एवं सैद्धांतिक परीक्षा की तैयारी करवाना था। छात्राध्यापकों को उनके कार्य का फीडबैक दिया गया।

भूगोल विभाग के छात्राध्यापकों ने डबोक हवाई अड्डा स्थित मौसम प्रेक्षणशाला का अवलोकन किया (ऊपर)। छात्राध्यापकों ने एयर ट्राफिक कण्ट्रोल सिस्टम (ए.टी.सी.) को देखा। प्रेक्षणशाला से मौसम के आंकड़े ए.टी.सी. को प्राप्त होने तथा इसके आधार पर विमान को निर्देशन की जानकारी प्राप्त की (नीचे)।

विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

अहिंसा से दूर होती है नकारात्मकता

गांधी जयन्ती पर प्रो. नंद चतुर्वेदी ने शिक्षा व कर्म के संदर्भ में हिन्द स्वराज्य का विवेचन प्रस्तुत किया। प्रो. चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों से कहा कि अंहिसा द्वारा स्व पर नियत्रंण से मन में नकारात्मक विचार नहीं आते। संस्थान व गांधी शांति प्रतिष्ठान की ओर से आयोजित "गांधी के सर्वोदय की संकल्पना एवं उसका व्यावहारिक स्वरूप" विषयक अन्तरमहाविद्यालयी निबन्ध प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए। इसमें महाराजा कला एवं शिक्षा महाविद्यालय के विशाल लौहार ने प्रथम, विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय के विजय जोशी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रदर्शन पाठ व सिम्युलेशन

कक्षा में पठन–पाठन की प्रक्रिया को नियोजित करने के उद्देश्य से प्रदर्शन पाठ व सिम्युलेशन गतिविधि हुई। संकाय सदस्यों ने प्रदर्शन पाठ प्रस्तुत किए जो समूह गतिविधि व कक्षा के सभी विद्यार्थियों के परस्पर एक–दूसरे के सीखने को ध्यान में रखकर निर्मित किए गए। विद्यार्थियों से फीडबैक लिया गया। फिर विद्यार्थियों ने सिम्युलेटेड पाठ प्रस्तुत किए और उन्हें सहपाठियों संकाय सदस्यों के सुझावों पर परिष्कृत किया।

थियेटर कार्यशाला में सम्भागी छात्राध्यापक।

कक्षा में थियेटर

विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र की संगम बावा के निर्देशन में 'कक्षा में थियेटर' पर कार्यशाला हुई। विद्यार्थियों ने मंचीय पात्र, चरित्र–चित्रण व परिस्थितिजन्य संवाद निर्माण सीखा। उन्होंने समूहों में लघु नाटिकाओं का मंचन तथा विश्लेषण कर नाटक करने की प्रकिया को समझा। उन्होंने जाना कि अभिनय के लिए किस तरह कल्पनाशीलता, समानुभूति, सहयोगात्मक रवैया, एकाग्रता व संप्रेषण कौशल जैसे तत्व आवश्यक हैं।

द्विवर्षीय पाठ्यक्रम पर वाद–विवाद

साहित्यिक–सांस्कृतिक श्रृंखला में "स्नातक शिक्षक प्रशिक्षण के लिए द्विवर्षीय पाठ्यक्रम आवश्यक है" विषयक वाद–विवाद में 15 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पक्ष में जितेन्द्र वैष्णव तथा विपक्ष में प्रभा राठौड़ प्रथम रहे।

बच्चों के साथ मनाया बाल दिवस

छात्राध्यापकों ने विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी विद्यालय, रामगिरी के बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया। छात्राध्यापकों व संकाय सदस्य ने विभिन्न स्टॉल लगाईं और मनोरंजक खेलों का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने व्यंजन बनाना व उनका विक्रय करना सीखा।

वनशाला में जाना दर्शन व खनन

महाविद्यालय का वनशाला शिविर बामनवाड़ में लगा। छात्राध्यापकों ने जैन दर्शन को प्रकृति, संस्कृति, समुदाय, स्वशासन व जीविकोपार्जन के संदर्भ में समझा। उन्होंने वॉलकैम

इण्डस्ट्रीज़ द्वारा संचालित एशिया की सबसे बड़ी वॉलेस्टोनाईट की खान का अवलोकन किया। इस दौरान वॉलैस्टोनाईट की उपयोगिता और खनन के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को जाना। निकटवर्ती गांव में सामुदायिक जागरूकता रैली निकाली गई। अंधविश्वास व अशिक्षा निवारण तथा स्वच्छ भारत विषयक नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। क्षेत्र का अध्ययन कर निष्कर्षों की प्रदर्शनी लगाई गई। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक समारोह में रंगारंग प्रस्तुतियां दीं।

बच्चे की प्रकृति के अनुसार दें शिक्षा

महाविद्यालय में अरविन्द दर्शन पर परिचर्चा में विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय के पूर्व उप–प्राचार्य प्रो. डी. एन. दानी ने महायोगी अरविन्द के समग्र शिक्षा के उद्देश्यों से अवगत कराया। राजस्थान विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो. बी.पी. भटनागर ने कहा कि बच्चों की प्रकृति को समझकर उनकी विभिन्नताओं के अनुसार शिक्षा के अवसर प्रदान करने चाहिए। डॉ. नरेश माथुर ने भी विचार रखे।

कपड़ा रंगने की डाई बनाना सीखते छात्राध्यापक।

लहरिया और जिल्दसाजी सीखी

सी.सी.आर.टी. के सहयोग से महाविद्यालय में भावी शिक्षकों में स्वावलंबन व स्थानीय शिल्पों के संवर्द्धन की भावना विकसित करने के उद्देश्य से कौशल प्रशिक्षण दिया गया। संदर्भ व्यक्ति सिराजुद्दीन ने बंधेज व लहरिया रंगने की बारिकियां बताईं। विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों ने कपड़ों व रंगों का चयन किया और प्राथमिक रंगों से कई रंग बनाए। उन्होंने कपड़े पर डिजाइन बनाना, धागे बांधना, रंगना व धागा खोलना सीखा।

सी.सी.आर.टी. के मंसूर अली ने लई से जिल्दसाजी, लिफाफे व कैरीबैग बनाना सिखाया। विद्यार्थियों ने पुस्तकालय की किताबों की जिल्दसाजी की।

युवा प्रेरणा शिविर में भागीदारी

महाविद्यालय के छात्राध्यापकों सुरेश विश्नोई एवं जितेन्द्र वैष्णव ने विवेकानंद केन्द्र द्वारा जयपुर में आयोजित "भारत जागो, विश्व जगाओ युवा प्रेरणा" शिविर में भाग लिया।

शहर के रूपांतरण की प्रस्तुती

एक्शन उदयपुर टीम ने शहर के 80 स्थलों के रूपान्तरण की तस्वीरों को संस्थान में प्रदर्शित किया। टीम की अनिता पुरोहित ने स्वैच्छिकता की भावना विकसित कर स्वच्छ व हरा–भरा शहर बनाने में जन भागीदारी बढ़ाने के कार्यक्रमों से अवगत कराया। छात्राध्यापकों एवं संकाय सदस्यों ने श्रमदान किया।

विद्या भवन कला संस्थान (बी.एस.टी.सी.)

'हाउस' से बढ़ी सहभागिता

छात्राध्यापकों की विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने व प्रत्येक को वैयक्तिक परामर्श देने हेतु उन्हें 6 हाउस में बाँटा गया। प्रत्येक शिक्षक को एक–एक हाउस का प्रभारी बनाया गया। प्रतियोगिताओं व सहभागिता के आधार पर हर हाउस को अंक भी दिए जा रहे हैं। हाउस निर्माण के बाद से छात्राध्यापकों में सहभागिता के प्रति उत्साह बढ़ा है एवं गतिविधियों की रोचकता बढ़ी है।

नवागन्तुक प्रतिभा खोज

संस्थान का परिचय और नवागन्तुक छात्राध्यापकों के स्वागत के साथ ही प्रतिभा खोज कार्यक्रम हुआ। छात्राध्यापकों में छिपी प्रतिभाओं को उभारने के लिए हुए आयोजन में बहुत–सी रोमांचक प्रस्तुतियां हुईं; कई छात्राध्यापकों ने तो पहली बार मंच का अनुभव लिया।

सूक्ष्म शिक्षण में जोड़ी गतिविधि

कौशल आधारित सूक्ष्म शिक्षण समूहवार प्रारंभ हुआ। कुल 7 कौशलों का चयन कर इनमें गतिविधि कौशल जोड़ा। गतिविधि कौशल बी.एस.टी.सी. में विद्या भवन की विशिष्टता है, जिस पर छात्राध्यापकों ने रुचि से कार्य किया।

स्वच्छ उदयपुर अभियान में सहयोग

छात्राध्यापकों व स्टॉफ सदस्यों ने विद्या भवन सोसायटी व आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के सामने स्थित पार्क की सफाई व रंग–रोगन का कार्य किया।

जाना सड़क सुरक्षा नियमों को

छात्राध्यापकों ने फिल्म के माध्यम से सड़क सुरक्षा के नियमों को जाना; साथ ही हेलमेट के महत्व को समझा। राजस्थान परिवहन निरीक्षक संघ, हिन्दुस्तान जिंक, जिला पुलिस एवं परिवहन विभाग की ओर से यह आयोजन किया गया।

देश–विदेश की लघु फिल्में देखीं

संस्थान के 22 छात्राध्यापक कृषि महाविद्यालय सभागार में फिल्मों व लघु फिल्मों पर संवाद का हिस्सा बने। उन्होंने स्कॉटलैण्ड, युगाण्डा, अमेरिका व भारत सहित कई देशों की लघु फिल्मों का लुत्फ उठाया। इनमें उदयपुर के निर्माता की "कंचे और पोस्टकार्ड" भी शामिल थी। छात्राध्यापकों ने कलाकारों व निर्देशकों से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान चित्रकला कार्यशाला हुई, जिसमें कलात्मक व सौन्दर्यात्मक पक्षों की जानकारी दी गई।

शैक्षिक व प्रेरणास्पद व्याख्यान

विद्या भवन की संस्थाओं के सदस्यों और छात्राध्यापकों के बीच शैक्षिक मुद्दों तथा विषय की अवधारणाओं पर प्रत्येक सोमवार को एक घण्टे चर्चा व अन्तःक्रिया का सिलसिला शुरू किया गया। इस कड़ी में जूनियर स्कूल से रेणु बोर्दिया

और विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र से गौरव द्विवेदी ने चर्चा की।

संस्कृत सम्भाषण एवं योग शिविर

संस्कृत अकादमी, जयपुर की ओर से संस्थान में 10 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर में 35 छात्राध्यापकों को संस्कृत भाषा में वार्तालाप, गीत, संवाद एवं नाटक का अभ्यास करवाया गया। इसी प्रकार, 7 दिवसीय योग शिविर में छात्राध्यापकों ने आसनों का अभ्यास किया।

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम

शिक्षण अभ्यास से पूर्व प्रथम वर्ष के छात्राध्यापकों ने विद्यालय के वातावरण एवं कक्षा–शिक्षण के बारे में समझ विकसित करने के उद्देश्य से दस दिवसीय विद्यालय अवलोकन में भाग लिया। वे समूहों में 5 विद्यालयों में गए, जहां उन्होंने शाला प्रबन्धन, भौतिक व मानवीय पहलुओं का अवलोकन किया। इसके पश्चात् एक दिवसीय विद्यालय अनुभव प्रस्तुति विषयक कार्यशाला हुई, जिसमें छात्राध्यापकों ने प्रत्येक सहयोगी विद्यालय के अवलोकन का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इसी प्रकार, द्वितीय वर्ष के लिए चालीस दिवसीय क्रियात्मक अभ्यास शिक्षण संपन्न हुआ। शिक्षण हेतु नवीन प्रारूप बनाए गए। छात्राध्यापकों ने शिक्षण एवं दैनिक योजना के निर्माण एवं क्रियान्वयन को जाना।

भारतीय लोक कला मण्डल का भ्रमण

प्रथम परिचय कार्यक्रम में छात्राध्यापकों ने लोक कला मण्डल का भ्रमण किया। उन्होंने म्यूजियम व कठपुतली नृत्य को देखा तथा राजस्थानी वेशभूषा, संस्कृति, वाद्य, नृत्य, आभूषण की जानकारियां प्राप्त कीं। उन्होंने राजस्थानी साहित्य की विभिन्न पुस्तकों को देखा एवं खरीदा।

जाना विद्या भवन कला संस्थान को

विद्या भवन सोसायटी की कार्यकारिणी के सदस्य पंकज जोशी ने संस्थान का निरीक्षण किया गया। उन्होंने खेलकूद, विद्यालय अवलोकन के अनुभवों पर कार्यशाला व टी.एल.एम. प्रदर्शनी का अवलोकन किया और छात्राध्यापकों से बात की। श्री जोशी ने प्राचार्य डॉ. भगवती अहीर सहित संकाय सदस्यों के साथ बैठक की तथा संस्थान की विशिष्टता, आवश्यकता एवं सोसायटी के निर्णयों व क्रियान्वयन की समीक्षा की।

प्रथम वर्ष का प्रथम परख सम्पन्न

बी.एस.टी.सी. प्रथम वर्ष के नवीन पाठ्यक्रम के आधार पर प्रथम परख दिसंबर में हुआ। इसमें दस प्रश्न पत्रों को सम्मिलित किया गया। परख में 45 छात्राध्यापकों ने भाग लिया।

एस.आई.ई.आर.टी. को देखा–जाना

छात्राध्यापकों ने एस.आई.ई.आर.टी. के विज्ञान, गणित, कला, निर्देशन एवं भाषा विभागों का अवलोकन किया। प्रभारियों ने अपने विभाग की गतिविधियों के बारे में बताया। विद्यार्थियों ने मॉडल्स एवं चार्ट्स के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कार्यशाला में सामग्री बनाते छात्राध्यापक।

टी.एल.एम. निर्माण

पांच दिवसीय "शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण कार्यशाला" में छात्राध्यापकों ने प्राध्यापिका मीना कालरा के मार्गदर्शन में अधिगम सामग्री बनाई। अन्तिम दिन प्रदर्शनी में विषयवार प्रस्तुतियां दी गईं। छात्राध्यापकों ने निर्धारित विषय में एक–एक चार्ट, दो गतिविधि प्रपत्र, एक लपेट फलक कार्य एवं समूह में मॉडल बनाए तथा इस सामग्री का शिक्षण में उपयोग सीखा।

अंग्रेजियत पर कटाक्ष

हिन्दी दिवस पर छात्राध्यापिका सोहनी ने अपने व्यंग्यपूर्ण लेख में हिन्दी बोलने में शर्मिंदगी और इस तरह से भारत पर अंग्रेजों द्वारा पूर्ण अधिकार का जिक्र किया। संजू, झलक मेहता, पदम सिंह भाटी एवं विकास कुमार ने नाना रसों की कवितायें सुनाईं।

इसी प्रकार, बाल दिवस और विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस पर छात्राध्यापकों ने भाषण, व्यंग्य भाषण एवं कवितायें प्रस्तुत कीं।

खेलकूद प्रतियोगिताएं

साप्ताहिक खेलकूद के अन्तर्गत प्रथम व द्वितीय वर्ष के बीच खेला गया फुटबाल मैच द्वितीय वर्ष ने 2 गोल से जीता। हाउसवार दौड़ प्रतियोगिताओं के तहत लम्बी–कूद में छात्राओं में सोहनी, पश्यन्ती अखावत व मनीषा तथा छात्रों में संजय सिंह, जसवन्त सिंह व विनोद मीणा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। क्रिकेट मैच को द्वितीय वर्ष ने 6 विकेट से जीता। प्रतिभागियों को हाउसवार अंक दिए गए।

शनिवारीय गतिविधियों से निखरी अभिव्यक्ति

शनिवारीय गतिविधियों के नियमित आयोजन से छात्राध्यापकों की अभिव्यक्ति में निखार आया है।

कविता पाठ में प्रथम प्रियंका मीणा व द्वितीय इन्द्रधनुष व्यास रहे। शुद्ध वर्तनी (हिन्दी) में प्रथम वर्ष से मनीषा गुर्जर प्रथम एवं कुसुम भाटी व रवीन्द्र सिंह द्वितीय रहे, जबकि द्वितीय वर्ष से भावना डांगी व टीना गोजा प्रथम एवं मगपुरी द्वितीय रहे। शुद्ध वर्तनी (अंग्रेजी) में प्रथम वर्ष से मोहम्मद कलीम प्रथम व पश्यन्ती द्वितीय रहे, जबकि द्वितीय वर्ष से गोविन्द परिहार प्रथम व प्रवीण कुमार द्वितीय रहे।

समूह गीतों में छात्राध्यापकों ने आपसी संयोजन, गीत का चयन, लय व हाव–भाव को प्रदर्शित किया; प्रथम स्थान शांता देवी एवं दल ने प्राप्त किया। मूकाभिनय प्रतियोगिता परपल हाउस ने जीती। स्वांग (मिमिक्री) में प्रथम पंकज मेघवाल व मीरा कुंवर प्रथम एवं मन्जु सुथार द्वितीय रहे।

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

राज्य के पशु चिकित्सकों को प्रशिक्षण

पशु बांझपन निवारण कार्यक्रम के तहत् पशुपालन विभाग की तरफ से केन्द्र पर 25 प्रशिक्षण होंगे, जिनमें राजस्थान के विभिन्न जिलों से 250 पशु चिकित्सक भाग लेंगे। इनमें से 15 प्रशिक्षण तीन दिवसीय तथा 10 प्रशिक्षण पांच दिवसीय होंगे। अब तक 10 प्रशिक्षण कार्यक्रम किए जा चुके हैं।

किसानों को प्लाण्टर की जानकारी देते कार्यकर्ता।

किसानों ने सीखी प्लाण्टर से बुवाई

सेमारी ब्लॉक के गोपालपुरा और सिपुर गांव के 75 किसानों को गेहूं की बुवाई में काम आने वाली प्लाण्टर मशीन की जानकारी दी गई। बैल से चलने वाले प्लाण्टर से बीज–खाद डालना, लाइनों की दूरी बनाना और रख–रखाव का प्रशिक्षण दिया। मशीन पर सरकारी अनुदान के बारे में भी बताया गया।

फलदार पौधों का प्रदर्शन

किसानों को नई तकनीकों, किस्मों और कम लागत में अधिक आय अर्जन के तरीकों से अवगत कराने हेतु विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र के 1.2 हैक्टर क्षेत्र में प्रदर्शन लगाये जा रहे हैं। गेहूं की 25, सरसों की 22, गोभी की 19, चने की 21, टमाटर की 11, लहसुन की 6, गाजर की 10 तथा विदेशी सब्जियों की 20 किस्में लगाई जा रही हैं। पॉली–हाउस में सब्जी उत्पादन, फव्वारा व बूंद–बूंद सिंचाई का प्रदर्शन किया जा रहा है।

सीखा पौधशाला व बगीचा प्रबंधन

कोटड़ा क्षेत्र के 13 ग्रामीण युवाओं को पौधशाला प्रबंधन का 21 दिवसीय एवं इसी क्षेत्र के 10 और युवाओं को बगीचा प्रबंधन का 10 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें पौध प्रबंधन, गमले भरना, पुष्प उत्पादन एवं पौधशाला का ले–आउट करना, गड्ढे खोदना व भरना, कीटों की पहचान, बीमारियों का निदान एवं उपचार, समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन व कार्बनिक खेती के बारे में बताया गया।

मधुमक्खी पालन में दिखाई रूचि

वी.बी.के.वी.के. पर मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण में जिले के 36 किसानों ने भाग लिया। उन्हें कोटा कृषि विश्वविद्यालय की टीम ने मधुमक्खी पालन की उन्नत तकनीकों से अवगत कराया। बारह किसानों ने मधुमक्खी पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने की रुचि दिखाई।

खेत पर उन्नत फसलों का प्रदर्शन

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत् रबी–2014 में चने की उन्नत किस्म जी.एन.जी.–1581 का प्रदर्शन 75 किसानों के खेतों पर किया गया। आई.सी.ए.आर. फसल प्रदर्शन के तहत् गेहूं की उन्नत किस्म राज–4120 का 75 किसानों एवं जौ की उन्नत किस्म आर.डी.–2552 का 25 किसानों के खेतों पर प्रदर्शन किया।

आगामी त्रैमास के मुख्य कार्यक्रम

- किसान मेलाः मार्च 2015
- महिलाओं को फलों, सब्जियों के मूल्य संवर्द्धन का निःशुल्क प्रशिक्षण

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

देखिए! उन्हें शहद बनाते हुए

मधुमक्खियों की शहद बनाने की विधा को विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर देखा–समझा जा सकता है। यहां वी.बी.के.वी.के. के सहयोग से मधुमक्खी–पालन की व्यवस्था की गई है। ऐसी सामग्री और उपकरण लगाये गए हैं जिनके माध्यम से मधुमक्खियों द्वारा शहद बनाने की विधि की जानकारी दी जा सकेगी।

हर्बल नर्सरी का प्रस्ताव

केन्द्र पर हर्बल तकनीक व गांववासियों के लिए नर्सरी बनाने का प्रस्ताव सम्भावित फण्डिंग संस्था को भेजा गया है। इसका उद्देश्य औषधीय पौधों की नर्सरी के जरिए ग्रामवासियों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है।

छात्राओं को वनस्पति की जानकारी देते विशेषज्ञ।

प्रकृति से रू-ब-रू हुए विद्यार्थी

राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय की एम.एस.सी. वनस्पति शास्त्र की छात्राओं ने डॉ. सविता चाहर के नेतृत्व में केन्द्र का शैक्षिक भ्रमण किया। डॉ. कटेवा ने घास की किस्मों की पहचान कराई। डॉ. आर.के. गर्ग ने पाठ्यक्रम में शामिल पादपों की जानकारी दी। रॉयल पब्लिक स्कूल के निदेशक गोवर्द्धन राणावत के साथ कक्षा 1 से 5 के 100 विद्यार्थियों ने केन्द्र पर वन्य जीवन की जानकारी पाई। संदर्भ व्यक्ति वी.बी.ई.आर.सी. की कामिनी उपाध्याय व गौरव द्विवेदी थे।

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल के कक्षा 10 से 12 के विज्ञान विषय के विद्यार्थियों ने केन्द्र पर ट्रैकिंग की। विनय दवे ने पक्षियों के स्वभाव व निवास के बारे में बताया।

ऐश्वर्या कॉलेज के 50 विद्यार्थियों ने डॉ. निकिता जैन के नेतृत्व में नेचर ट्रैकिंग की। उन्हें लुप्त हो रहे पेड़–पौधों व औषधीय पौधों के बारे में बताया गया। डॉ. आर.एल. श्रीमाल ने वन संरक्षण एवं पारिस्थितिकीय संतुलन पर विचार रखे।

विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र

www.vberc.org

छत्तीसगढ़ में पाठ्यपुस्तक-लेखन

छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग के साथ शिक्षा संदर्भ केंद्र ने कक्षा–9 की भाषा, गणित एवं विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का लेखन शुरू किया। इसके तहत हुई कार्यशालाओं में सभी पाठ्यपुस्तकों का प्रथम प्रारूप तैयार कर लिया गया है। जनवरी में पाठ्यपुस्तकों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में कार्यशाला के दौरान पाठ्यपुस्तकों का प्रारूप बनाते विषय–विशेषज्ञ।

हजीराः फिल्म देख कर वर्कशीट भरी

केंद्र की हजीरा शाखा द्वारा दो स्कूलों में 'तेमज' एवं 'नेत्रहीन साक्षी' फिल्म 215 बच्चों को दिखाई गई तथा बच्चों ने उससे संबंधित वर्कशीट पर काम किया। मोबाईल–लाइब्रेरी का कार्य निरंतर जारी है। वोकेशनल कोर्स कर चुके बच्चों के लिए भावी योजनाओं पर मथंन और दो उद्यमिता विकास कार्यशालायें हुईं।

एक्टिविटी केंद्र की 10 संचालिकाओं के लिए उदयपुर में ऑरिगामी वर्कशॉप हुई। अंग्रेजी शिक्षकों के क्षमतावर्द्धन के लिए डॉ. ए.एल. खन्ना ने प्रशिक्षण दिया।

हजीरा के स्कूलों में मैट्रिक मेले लगाए, जिनमें 662 बच्चों ने खेल–खेल में मापन, गणना, वजन, परिमिति, क्षेत्रफल सीखने का मजा लिया।

सी.सी.ई. पर शोध से जुड़ाव

एजुकेशन इनिशिएटिव के साथ जुड़कर यूनिसेफ के लिए एक्टिविटि बेस्ड लर्निंग पर शोध की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य विभिन्न स्कूलों में सी.सी.ई. के स्वरूप को समझना तथा इसके बारे में अध्यापकों एवं अभिभावकों की राय जानना है। उदयपुर व अलवर जिलों के 14 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों को चुना है। आंकड़ों के संकलन में शिक्षा केंद्र के 4 सदस्यों ने भाग लिया, जिन्हें भोपाल में प्रशिक्षण दिया गया।

सभी बच्चों को मिलें पाठ्यपुस्तकें

बिहार में एस.आर.टी.टी. प्रोजेक्ट के तहत आगे की संभावनाओं के मद्देनजर स्कूल और डाइट के साथ बच्चों द्वारा पुस्तकालय के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए किताबों के साथ काम किया गया। सभी बच्चों तक पाठ्यपुस्तकें पहुंचाने के प्रयास किए गए और स्कूलों एवं शिक्षकों के प्रोफाइल अपडेट किए गए। अक्टूबर में एस.सी.ई.आर.टी. बिहार और यूनिसेफ द्वारा विज्ञान विषयक कार्यशाला में केंद्र के कार्यकर्ताओं ने 50 शिक्षकों एवं डाइट फैकल्टी के साथ प्रयोग, प्राकल्पना निर्माण एवं चर्चा, फोटोसिंथेसिस, विद्युत, मापन, पृथक्करण आदि पाठों पर गतिविधियां कीं। एस.सी.ई.आर.टी. के नियमित कार्यों में सहयोग करने के क्रम में 12 स्कूलों के 30 शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण में पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों की समझ बनाने पर बात की गई।

शिक्षकों का क्षमतावर्द्धन

केंद्र ने आंध्रप्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में रिलायंस प्रोजेक्ट क्षेत्र के प्रारम्भिक एवं माध्यमिक स्कूली शिक्षकों की क्षमतावर्धन के लिए रिलायंस से करार किया। इनमें रिलायंस के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोन्सिबिलिटी प्रोजेक्ट के 10 प्रारम्भिक स्कूल एवं 200 माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। इसका उद्देश्य शिक्षकों की भाषा, गणित एवं विज्ञान की समझ को विविध अभ्यासों द्वारा बढ़ाना है। प्रोजेक्ट स्कूलों एवं उनके सीखने के स्तरों को समझने हेतु बेस–लाइन अध्ययन किया गया। उन्मुखीकरण कार्यशाला में बच्चों के भाषा व गणित सीखने की प्रक्रिया पर 60 शिक्षकों की समझ बनाई गई। 200 माध्यमिक स्कूल शिक्षकों के साथ विज्ञान और गणित पर कार्यशाला हुई। ये कार्यशालाएं शिक्षकों के साथ संबंध बनाने, उनकी जरूरतों को समझने और कक्षा शिक्षण की प्रक्रियाओं को समझने में मददगार साबित हुई।

स्कूलों के साथ काम

'क्वेस्ट' प्रोजेक्ट की औपचारिक समाप्ति के पश्चात् भी 10 सदस्यों की टीम के साथ 16 स्कूलों में काम जारी है। प्रत्येक सदस्य एक स्कूल में दो दिन बिताते हुए अध्यापकों के साथ मिलकर योजना बनाने, गतिविधि आधारित शिक्षण, प्रयोगात्मक शिक्षण, कक्षा अवलोकन कार्य संपादित कर रहे हैं। साथ ही शिक्षकों में अकादमिक दृष्टि को बेहतर बनाने के लिए उन के साथ शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों व पर्चों को पढ़कर चर्चा की जा रही है।

टी.एच.डी.सी. के कर्मचारियों के साथ भाषायी कौशल विकास पर कार्यशाला में संवाद।

अंग्रेजी लिखने–पढ़ने में सुधार

टिहरी हाइड्रो डवलपमैण्ट कॉर्पोरेशन इण्डिया (टी.एच.डी.सी.) के सत्ताईस कर्मचारियों के लेखन कौशल को उन्नत करने के लिए विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केंद्र की ओर से दूरस्थ एवं संपर्क आधारित कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। संपर्क कार्यक्रम प्रतिभागियों को जटिल अंग्रेजी टैक्स्ट को पढ़कर समझने की क्षमता की ओर पहला कदम है। केंद्र की टीम प्रतिभागियों के असाइन्मेंट्स् पर फीडबैक देगी, जो उनके लेखन कौशल के विकास में मदद करेगा।

विद्या भवन स्थानीय स्वशासन एवं उत्तरदायी नागरिकता संस्थान

www.vbilsgrc.org

समतामूलक समाज के लिए 'घर की सभा' में बदलाव ज़रूरी

समतामूलक समाज बनाने के लिए घर में महिलाओं को बराबरी देना ज़रूरी है। ग्राम सभा और वार्ड सभा में महिलाओं सहित वंचित वर्गों की भागीदारी बढ़ाने की शुरुआत 'घर की सभा' से होनी चाहिए। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना सकारात्मक है और इसमें पुरुषों को अधिक सहयोग करना चाहिए। संस्थान की ओर से 'पंचायती राज सशक्तीकरण' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला में ये विचार सामने आये। विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय में 29–30 दिसम्बर को हुई कार्यशाला में संस्थान ने 2009 से 2014 के कार्यों व कार्यानुभवों को प्रस्तुत किया। पहले दिन 'वार्ड सभा व ग्राम सभा के सशक्तीकरण की प्रक्रिया' सत्र में हेमराज भाटी; 'निधि, कार्य एवं कार्मिकों के हस्तान्तरण की समीक्षा' सत्र में रमेशचन्द्र जैन तथा 'पंचायती राज व्यवस्था में यौन समता एवं महिला सशक्तीकरण' सत्र में स्वाति व वर्षा झँवर मुख्य वक्ता थे।

दूसरे दिन तीन समूहों में चर्चा व प्रस्तुतीकरण हुए, जिनके विषय 'भारत सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों के संबंध में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका', 'पंचायती राज के मुद्दे एवं मतदाता जागरूकता' तथा 'तृणमूल स्तर पर समन्वय एवं सामूहिक कार्य' थे। कार्यशाला को विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन, ज़िला प्रमुख मधु मेहता व शिक्षाविद् प्रो. ए.बी. फाटक ने भी सम्बोधित किया। कुल 52 सम्भागियों में ज़िले के जनप्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य एवं विषय–विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होंने हर सत्र के दौरान खुली चर्चा में हिस्सा लिया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के दौरान रैली के लिए रवाना होतीं ग्रामीण महिलायें।

मतदाता जागरूकता अभियान

पंचायती राज चुनाव के मद्देनज़र संस्थान ने 37 ग्राम पंचायतों में चुनाव–पूर्व मतदाता जागरूकता अभियान संचालित किया। जमशेदजी टाटा ट्रस्ट के सहयोग से सामग्री निर्माण कार्यशाला में पुस्तिका 'मेरा वोट मेरी सरकार', पैम्फ्लेट 'वोट देने से पहले उम्मीदवार से पूछें', चार रंगीन पोस्टर (मेरा वोट–मेरी सरकार, वोट सोच–समझ कर देंगे, मतदान से पहले चर्चा करें, धमकी देकर या देकर नोट) तथा नारे तैयार किए गए। बड़गाँव व गोगुन्दा पंचायत समितियों की 12–12 पंचायतों में 50 मतदाता जागरूकता सभायें और रैलियां की गईं।

द हंगर प्रोजेक्ट (टी.एच.पी.) के सहयोग से 'चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम (स्वीप)' के तहत जयपुर में अगस्त में योजना निर्माण, सितम्बर में सामग्री निर्माण तथा अक्टूबर में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण में संस्थान के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। टी.एच.पी. से प्राप्त पोस्टर, फरियां, फ्लैक्स, बिल्ले, सी.डी., जैकेट व तख़्तियों का पूर्ण उपयोग किया। बड़गांव की 25 पंचायतों में 19 नवम्बर से 24 दिसम्बर के बीच 13 सिम्युलेशन कैम्प तथा 25–25 मतदाता सभा, रैली व फिल्म–शो एवं 9 सम्भावित महिला नेतृत्व कार्यशालाएं कीं। टी.एच.पी. की इण्डिया प्रोग्राम ऑफिसर वेदा भारद्वाज, राजस्थान प्रभारी वीरेन्द्र श्रीमाली सहित 5 सदस्यीय टीम ने संस्थान के कार्य का अवलोकन किया व 'स्वीप' के संचालन की सराहना की।

वित्तीय समावेशन में पंचायतों की भूमिका

'ग्रामीण विकास में पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से वित्तीय संस्थानों का सहयोग' विषय पर 27–28 नवम्बर 2014 को चण्डीगढ़ में सेंटर फॉर रीसर्च इन रूरल एण्ड इण्डस्ट्रीयल डवलपमेंट की ओर से राष्ट्रीय कार्यशाला हुई। संस्थान के निदेशक डॉ. टी. प्रभाकर रेड्डी ने 'वित्तीय समावेशन में पंचायतों की भूमिका' शीर्षक से रीसर्च पेपर प्रस्तुत किया, जिसमें नीतिगत विकल्पों का उल्लेख किया गया। डॉ. रेड्डी ने एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

आगामी त्रैमास के कार्यक्रम

– पंचायती राज के नव–निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए प्रशिक्षण
– संस्थान के कार्य एवं सीख पर अध्ययन
– पंचायती राज चुनाव–2015 के पूर्व सर्वे
– ब्लॉक स्तरीय पंचायत मेलों का आयोजन
– दो जिला स्तरीय कार्यशालाएं

<u>Book-Post (Printed Matter)</u>

If undelivered please return to:

Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004
Phone : 0294-2451497
e-mail : *vbkhojkhabar@gmail.com*

To,

....

....

....

....

ikdk'kd % fo|k Hkou f'k{kk lanHkZ dsUnz] Mk- eksgu flag esgrk ekxZ] fo-Hk- lkslk;Vh ifjlj] mn;iqj ¼jkt-½ Qksu % 0294&2451497
eqnzd % lat; fizVlZ] 71&efgyk e.My dh ikl] mn;iqj ¼jkt-½ & 313001 Qksu % 9001000700] 9414316479